Title: Demanded to adopt a comprehensive policy regarding demolition of encroachments and unauthorised constructions in Delhi.

श्री राशिद अल्वी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं आपने इतने उपद्रव के बावजूद मुझे बोलने का समय दिया।

अध्यक्ष महोदय : इनक्रोचमैंट और डिमोलीशन का मैटर पहले भी हाउस में रेज किया जा चुका है।

श्री राशिद अल्वी : सर, मैंने रेज नहीं किया है।

I am raising this issue in this House for the first time. आज पूरी दिल्ली परेशान है, जिस तरीके से यहां इनक्रोचमैंट का डिमोलीशन हो रहा है। मैं सिर्फ एक बात कहना चाहता हूं कि मैं इसके खिलाफ नहीं हूं कि कोई इल्लीगल कंस्ट्रक्शन हो तो उसे गिराया न जाए। लेकिन मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि इस बारे में सरकार की क्या पालिसी है। क्या वह सारे इनक्रोचमैंट को गिराना चाहती है और अपनी मर्जी से गिराना चाहती है। चूंकि दिल्ली में यह हो रहा है कि जो गरीब आदमी हैं उनके मकान गिराये जा रहे है। लेकिन जो पैसा देने की हैसियत में हैं, उनके मकान नहीं गिराये जा रहे हैं। हम चाहते हैं कि सारे इनक्रोचमैंट्स का बगैर किसी डिसक्रिमिनेशन के डिमोलीशन होना चाहिए। लेकिन ऐसा दिल्ली मे नहीं हो रहा है। जो गरीब आदमी हैं...

अध्यक्ष महोदय : दिल्ली में इनक्रोचमैंट के डिमोलीशन के बारे में लास्ट वीक मंत्री जी ने क्वश्चन ऑवर में समाधान दिया है।

श्री राशिद अल्वी : नहीं सर, कोई समाधान नहीं दिया है। â€¦(व्यवधान) जो 25-25 साल से लोग बिजेनेस कर रहे हैं, छोटी-छोटी दुकाने लेकर बैठे हैं, उन्हें डिमोलिश कर रहे हैं। लोगों की रोजी-रोटी के साथ खिलवाड कर रहे हैं। सरकार को चाहिए कि वह कोई पालिसी बनाये कि किस तरीके से इनक्रोचमैंट को रोका जायेगा।

डा.रघुवंश प्रसाद सिंह : ये गुरिल्ला वार की तरह उन पर अटैक करते हैं।â€¦(व्यवधान)

श्री राशिद अल्वी : दिल्ली में जो झुग्गी-झोंपड़ी वाले जो लोग हैं, वे दिल्ली में बाहर से आते हैं, गावों से आते हैं। जब तक सरकार उन्हें वहीं पर रोजगार नहीं देगी, उनका दिल्ली में आना बंद नहीं होगा। सरकार को चाहिए कि एक काम्प्रीहेन्सिव पालिसी बनाये और उन लोगों को वहीं रोजगार दे, ताकि वे लोग दिल्ली आना बंद करें। दिल्ली में लोग रोजी-रोटी के लिए आते हैं कि यहां आकर कोई छोटा-मोटा कारोबार करते हैं। लेकिन जो सरकार के मंत्री हैं, मैं बड़े अदब के साथ कहना चाहता हूं कि उन्हें न्यूज में रहने की आदत पड गई है। वह इस तरीके से काम करते हैं ताकि अखबारात में उनका नाम आता रहे। ये गरीब आदमियों के खिलाफ हैं। पार्लियामेन्ट्री अफेयर्स मिनिस्टर यहां बैठे हुए हैं। मैं उनसे दरख्वास्त करना चाहूंगा कि इस हाउस में सरकार की पालिसी को क्लियर करें और गरीब आदमियों तथा इनक्रोचमैंट के बारे में स्टेटमैंट दे। कुछ लोगों के बड़े-बड़े मकानात हैं, पांच-पांच हजार गज में इल्लीगल मकान बने हैं, उन्हें क्यों नहीं डिमोलिश किया जा रहा है। लोगों की बड़ी-बड़ी कोठियां हैं। â€¦(व्यवधान)

डा.रघुवंश प्रसाद सिंह : गरीबों के सवाल पर संसदीय कार्य मंत्री क्यों चुप बैठ हैं, जवाब क्यों नहीं देते?

श्री राशिद अल्वी : साउथ दिल्ली में इल्लीगल रुप से तीसरी मंजिलें बनी हुई हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि साउथ दिल्ली में अब तक कितनी तीसरी मंजिले गिराई गई हैं। वहां तीसरी और चौथी मंजिले पैसा लेकर बन रही हैं, जबकि एक भी मंजिल नहीं गिराई गई है।...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This will not go on record.

(Interruptions) *